सं0— 854(ए)/15—11—2010

प्रेषक

जितेन्द्र कुमार
सचिव, बेसिक शिक्षा विभाग
उ0प्र0 शासन।

सेवा में

निदेशक,
राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
उ0प्र0 लखनऊ।

शिक्षा अनुभाग (11) दिनांक— 19.05.2010

विषय— **निजी बी0टी0सी0/एन0टी0टी0 प्रशिक्षण संस्थाओं हेतु वर्ष 2010—11 के लिए शिक्षण सत्र**

महोदय,

प्रदेश के ऐसे मान्यता प्राप्त निजी बीटीसी/एनटीटी प्रशिक्षण संस्थानों, जिन्हें राज्य सरकार द्वारा संबद्धीकरण (Affiliation) प्रदान किया गया है, हेतु संलग्नक के अनुरूप वर्ष 2010—11 के लिए शिक्षण सत्र निर्धारित किया जाता है। तदनुसार समस्त प्रशिक्षण संस्थाओं के प्रबंधकों को अवगत कराने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

संलग्नक—यथोपरि

भवदीय,
(जितेन्द्र कुमार)
सचिव

संख्या एवं दिनांक तदैव—

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित —

1. राज्य परियोजना निदेशक, सर्वशिक्षा अभियान, उ0प्र0।
2. विशेष सचिव, शिक्षा अनुभाग—11
3. निदेशक, बेसिक शिक्षा, उ0प्र0
4. समस्त जिला मजिस्ट्रेट, उ0प्र0।
5. समस्त प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, उ0प्र0।
6. समस्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, उ0प्र0
7. सचिव, परीक्षा नियामक प्राधिकारी, उ0प्र0 इलाहाबाद
8. गार्ड बुक

आज्ञा से
(अतुल कुमार)
विशेष सचिव

द्विवर्षीय बेसिक शिक्षक प्रमाण–पत्र (बी0टी0सी0) प्रशिक्षण
वार्षिक कैलेण्डर
शिक्षण सत्र 2010–11

विषयों का सेमेस्टरवार विभाजन

क्र.सं.	प्रथम सेमेस्टर	द्वितीय सेमेस्टर	तृतीय सेमेस्टर	चतुर्थ सेमेस्टर
1.	वर्तमान भारतीय समाज और प्रारम्भिक शिक्षा	शिक्षण अधिगम के सिद्धान्त	शैक्षिक मूल्यांकन, क्रियात्मक शोध एवं नवाचार	चतुर्थ सेमेस्टर में इण्टर्नशिप एवं प्रायोगिक कार्य आदि निर्धारित है।
2.	बाल मनोविज्ञान	प्रारम्भिक शिक्षा के नवीन प्रयास	शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी	
3.	विज्ञान	विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा तथा निर्देशन एवं परामर्श	शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशासन	
4.	समाजिक अध्ययन	विज्ञान	विज्ञान	
5.	गणित	सामाजिक अध्ययन	सामाजिक अध्ययन	
6.	हिन्दी	गणित	गणित	
7.	कम्प्यूटर	हिन्दी	हिन्दी	
8.	शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य	अंग्रेजी	अंग्रेजी	
9.	कला एवं संगीत	संस्कृत / उर्दू	संस्कृत / उर्दू	
10.	समाजपयोगी उत्पादक कार्य	कम्प्यूटर	कम्प्यूटर	
11.	–	समाजपयोगी उत्पादक कार्य		

- चतुर्थ सेमेस्टर में इण्टर्नशिप के अन्तर्गत प्रशिक्षु डायट / प्रशिक्षण संस्थान के निर्देशन एवं तैयारी के बाद प्रथम तीन माह में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में जायेगा तथा विद्यालय के समस्त शैक्षिक क्रियाकलापों में सक्रिय प्रतिभाग करेगा जैसे– कक्षा शिक्षण ,क्रियात्मक शोध,शैक्षिक नवाचार, शिक्षक संदर्शिकाओं का सदुपयोग,सामुदायिक सहभागिता,विद्यालय सहयोगी समितियों की बैठक ,विद्यालय–अभिलेखों का रख–रखाव आदि। इसका विस्तृत विवरण चतुर्थ सेमेस्टर कार्यक्रम के अन्तर्गत दिया गया है।

वार्षिक कैलेण्डर बी0टी0सी0 पाठ्यक्रम शिक्षण हेतु कैलेण्डर
शिक्षण सत्र 2010–11

प्रथम सेमेस्टर – (जुलाई 2010 से दिसम्बर 2010 तक)

क्रमांक	विषय	कक्षा शिक्षण हेतु दिनों /कालांशो की संख्या		पाठ योजना की संख्या
		दिन	कालांश	
1	वर्तमान भारतीय समाज और प्रारम्भिक शिक्षा	–	130	(माइक्रो –टीचिंग) 10
2	बाल मनोविज्ञान	–	120	
3	विज्ञान	–	70	04
4	सामाजिक अध्ययन	–	49	04
5	गणित	–	70	05
6	हिन्दी	–	70	04
7	कम्प्यूटर	–	42	04
8	शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य	–	45	03
9	कला एवं संगीत	–	45	03
10	समाजोपयोगी उत्पादक कार्य	–	45	03
11	सामूहिक चर्चा (दिये गये प्रकरणों पर)	–	98	
12	कक्षा शिक्षण	10	–	
13	परीक्षा की तैयारी	2	–	
14	परीक्षा	3	–	
15	आवासीय प्रशिक्षण (पी0टी0, योगासन, प्रार्थना) प्रतिदिन			
	योग		**784**	**40**

नोट : संलग्न समय सारणी 1 एवं 2 के अनुसार कार्य दिवसों एवं अवकाश दिवसों में प्रशिक्षण / कक्षा शिक्षण सुनिश्चित की जाय।

वार्षिक कैलेण्डर बी0टी0सी0 पाठ्यक्रम शिक्षण हेतु कैलेण्डर

शिक्षण सत्र 2010–11

द्वितीय सेमेस्टर – (जनवरी 2011 से जून 2011 तक)

क्रमांक	विषय	कक्षा शिक्षण हेतु दिनों /कालांशो की संख्या		पाठ योजना की संख्या
		दिन	कालांश	
1	शिक्षण अधिगम के सिद्धान्त	–	130	–
2	प्रारम्भिक शिक्षा के नवीन प्रयास	–	130	
3	विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा तथा निर्देशन एवं परामर्श	–	130	–
4	विज्ञान	–	42	05
5	सामाजिक अध्ययन	–	40	05
6	गणित	–	42	05
7	हिन्दी	–	40	05
8	अंग्रेजी	–	35	03
9	संस्कृत/उर्दू	–	35	04
10	कम्प्यूटर	–	34	04
11	समाजपयोगी उत्पादक कार्य	–	35	03
12	समूह चर्चा दिये गये प्रकरणों पर		99	–
13	कक्षा शिक्षण	9	–	–
14	परीक्षा की तैयारी	2	–	–
15	परीक्षा	3	–	–
16	आवासीय प्रशिक्षण (पी0टी0, योगासन, प्रार्थना) प्रतिदिन			
	योग		792	34

नोट : संलग्न समय सारणी 1 एवं 2 के अनुसार कार्य दिवसों एवं अवकाश दिवसों में प्रशिक्षण / कक्षा शिक्षण सुनिश्चित की जाय।

वार्षिक कैलेण्डर बी0टी0सी0 पाठ्यक्रम शिक्षण हेतु कैलेण्डर
शिक्षण सत्र 2010–11

तृतीय सेमेस्टर – (जुलाई 2011 से दिसम्बर 2011 तक)

क्रमांक	विषय	कक्षा शिक्षण हेतु दिनों /कालांशो की संख्या		पाठ योजना की संख्या
		दिन	कालांश	
1	शैक्षिक मूल्यांकन, क्रियात्मक शोध एवं नवाचार	–	130	–
2	शिक्षा में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी	–	130	
3	शैक्षिक प्रबन्धन एवं प्रशासन	–	130	–
4	विज्ञान	–	49	04
5	सामाजिक अध्ययन	–	45	05
6	गणित	–	49	04
7	हिन्दी	–	44	04
8	अंग्रेजी	–	49	05
9	संस्कृत/उर्दू	–	49	04
10	कम्प्यूटर	–	35	03
11	समूह चर्चा दिये गये प्रकरणों पर	–	90	
12	कक्षा शिक्षण	07	–	–
13	परीक्षा की तैयारी	12	–	–
14	परीक्षा	3	–	–
15	आवासीय प्रशिक्षण (पी0टी0, योगासन, प्रार्थना) प्रतिदिन			
	योग	–	800	29

नोट : संलग्न समय सारणी 1 एवं 2 के अनुसार कार्य दिवसों एवं अवकाश दिवसों में प्रशिक्षण / कक्षा शिक्षण सुनिश्चित की जाय।

वार्षिक कैलेण्डर बी0टी0सी0 पाठ्यक्रम शिक्षण हेतु कैलेण्डर

शिक्षण सत्र 2010–11

चतुर्थ सेमेस्टर – (जनवरी 2012 से जून 2012 तक)

इन्टर्नशिप की अवधि में विद्यालय में शिक्षण योजना

क्रमांक	विषय	पाठ योजना की संख्या
1	विज्ञान	08
2	सामाजिक अध्ययन	08
3	गणित	08
4	हिन्दी	08
5	अंग्रेजी	08
6	संस्कृत / उर्दू	08
7	कम्प्यूटर	05
8	शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य	04
9	कला एवं संगीत	04
10	समाजपयोगी उत्पादक कार्य	04
11	आवासीय प्रशिक्षण (पी0टी0, योगासन, प्रार्थना) प्रतिदिन	
12	परीक्षा (3 दिन)	
	योग	65

नोट : संलग्न समय सारणी 1 एवं 2 के अनुसार कार्य दिवसों एवं अवकाश दिवसों में प्रशिक्षण, प्रायोगिक कार्य / कक्षा शिक्षण सुनिश्चित की जाय।

प्रायोगिक कार्य (इण्टर्नशिप की अवधि में)

इसके अन्तर्गत इण्टर्नशिप के दौरान प्रशिक्षुओं द्वारा विद्यालय में कक्षा शिक्षण के अतिरिक्त प्रायोगिक कार्य किये जायेगें। प्रायोगिक कार्यों का विवरण निम्नलिखित है–

- शिक्षण संदर्शिकाओं का कक्षा –शिक्षण में उपयोग।
- शिक्षण अधिगम सामग्री (टी.एल.एम.) का निर्माण एवं प्रयोग।
- सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन।
- समेकित शिक्षा व्यवस्था के अन्तर्गत विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों की समुचित शिक्षा व्यवस्था।
- प्रश्न पत्र निर्माण एवं उपयोग (ब्लू प्रिन्ट के आधार पर)
- परीक्षा आयोजन एवं मूल्यांकन तथा परीक्षाफल तैयार करना।
- पाठ्य सहगामी क्रिया –कलापों का आयोजन।
- निदानात्मक / उपचारात्मक शिक्षण।
- क्रियात्मक शोध एवं नवाचार।
- विषयगत प्रयोगशाला की स्थापना एवं प्रयोग।
- लर्निंग कार्नर एवं पुस्तकालय की स्थापना एवं प्रयोग।
- विद्यालयीय स्वच्छता एवं सौन्दर्यीकरण में प्रतिभाग।
- विद्यालय सहयोगी समितियों की बैठकों में प्रतिभागिता जैसे– वी.ई.सी.,पी.टी.ए.,एम.टी.ए.,डब्ल्यू.एम.जी. एवं मीना मंच आदि।
- अनुपूरक साहित्य सामग्री(विषयगत) का विकास,संकलन तथा प्रयोग।
- हाउस होल्ड सर्वे।
- नामांकन कार्यों में सहयोग।
- बाल–सभा का आयोजन।
- एन.पी.आर.सी. / बी.आर.सी.स्तर पर आयोजित बैठकों,गोष्ठियों एवं प्रशिक्षणों में प्रतिभाग।

- मिड–डे–मील में सहयोग।
- राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सहयोग (जैसे– पल्स पोलियों,अल्पबचत,परिवार नियोजन,पर्यावरण अभियान आदि)।
- राष्ट्रीय पर्वों का आयोजन एवं प्रतिभाग।
- बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन।
- प्रोजेक्ट कार्य–
- हरबेरियम फाइल,स्थानीय ऐतिहासिक एवं भौगोलिक तथ्यों की जानकारी और आख्या लेखन।
- विद्यालय में उपलब्ध भौतिक, मानवीय एवं वित्तीय संसाधनों का आंकलन कर आवश्यकताओं की पहचान करना।
- बच्चों के जीवन कौशल के विकास की कार्य –योजना का निर्माण करना।
- पर्यावरणीय दृष्टिकोण से विद्यालय परिवेश को आकर्षण बनाना।
- इण्टर्नशिप अवधि में प्रशिक्षु के कक्षा –शिक्षण एवं अन्य निर्धारित कार्य की ग्रेडिंग सम्बन्धित विद्यालय के प्रधानाध्यापक करके डायट को प्रेषित करेगा। ग्रेडिंग का आधार प्रशिक्षुओं का प्राप्तांक होगा। प्रशिक्षुओं के अंक प्रदान करने हेतु निम्नांकित प्रपत्र डायट द्वारा प्रधानाध्यापक को प्रेषित किया जायेगा–
- अंक प्रदान करने हेतु मार्गदर्शन प्रपत्र,

क्र.सं.	प्रकरण	निर्धारित अधिकतम अंक	प्रधानाध्यापक द्वारा प्रदत्त अंक
1.	इण्टर्नशिप अवधि की उपस्थिति • 95 प्रतिशत से अधिक–10 अंक • 90 प्रतिशत से 94 प्रतिशत तक–07	10	

	• 90 प्रतिशत से कम–04		
2.	पाठ–योजना का निर्माण	10	
3.	कक्षा–शिक्षण समालोचना	10	
4.	क्रियात्मक शोध एवं नवाचार आख्या	10	
5.	प्रोजेक्ट कार्य आख्या	10	
6.	पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषण	10	
7.	शिक्षक संदर्शिका एवं अनुपूरक सामग्री का उपयोग	10	
8.	शिक्षण–अधिगम सामग्री का निर्माण एवं उपयोग	10	
9.	पाठ्य–सहगामी क्रियाकलापों का आयोजन	10	
10.	सामुदायिक कार्यों की आख्या	10	

प्राप्तांकों के आधार पर ग्रेडिंग निम्नवत् की जायेगी :–

अंक प्रतिशत – ग्रेड

75 से अधिक – ए

60 से 75 – बी

40से 59 – सी

01से 39 – डी

- चतुर्थ सेमेस्टर में कक्षा –शिक्षण एवं प्रयोगात्मक कार्य के वाहय –मूल्यांकन हेतु निम्नवत् विषय निर्धारित है:–

क्र.सं.	विषय	
	खण्ड(क) कक्षा शिक्षण	वाहय मूल्यांकन
1.	विज्ञान अथवा गणित में से एक विषय	
2.	हिन्दी अथवा सामाजिक विषय में से एक विषय	

3.	संस्कृत,उर्दू,अंग्रेजी,शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य,कला एवं संगीत,समाजोपयोगी उत्पादक कार्य में से कोई एक विषय	
	खण्ड(ख) प्रयोगात्मक	वाह्य मूल्यांकन
1.	विज्ञान	
2.	कम्प्यूटर	
3.	कला एवं संगीत	
4.	शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य	
5.	समाजोपयोगी उत्पादक कार्य	

- चतुर्थ सेमेस्टर के वाह्य मूल्यांकन (कक्षा शिक्षण एवं प्रयोगात्मक कार्य) से पूर्व प्रशिक्षु सत्रीय कार्य,पाठ संकेत पंजिका, समालोचना पुस्तिका आदि अपने–अपने डायट/प्रशिक्षण संस्थान के कक्षा –अध्यापक के पास अवश्य जमा करें।

संलग्नक – 01

आवासीय– प्रशिक्षण की समय –सारिणी – 01

- कार्य–दिवसों की समय– सारिणी

	समयावधि	कियाकलाप
प्रातःकालीन क्रियाकलाप	पूर्वाह्न 6 बजे से पूर्व सुबह 6 बजे से 7 बजे तक सुबह 7 बजे से 8 :30 बजे तक सुबह 8:30 बजे से 9:30बजे तक	• नित्य क्रिया • पी0 टी0, योगासन, प्राणायाम,ध्यान • व्यक्तिगत तैयारी • स्वाल्पाहार
	सुबह 9:30 बजे से 10.00 बजे तक	• प्रार्थना,प्रेरक प्रसंग,समाचार वाचन एवं उपस्थिति आदि
शैक्षिक क्रियाकलाप	सुबह 10.00 बजे से 10.50 बजे तक सुबह 10.50 बजे से 11.30 बजे तक सुबह 11.30 बजे से 12.10 बजे तक सुबह 12.10 बजे से 12.50 बजे तक	• दिए गए प्रकरण पर समूह चर्चा • पूर्वाह्न कक्षाओं का संचालन
मध्याह्न	अपराह्न12.50 बजे से 01.30 बजे तक	• भोजन अवकाश
शैक्षिक क्रियाकलाप	अपराह्न01:30 बजे से 02:10बजे तक अपराह्न 02:10बजे से 02:50 बजे तक अपराह्न 02:50 बजे से 3:30 बजे तक अपराह्न 03:30 बजे से 4:10 बजे तक	• अपराह्न कक्षाओं का संचालन
	सायं 04:10 बजे से 04:30 बजे तक	• अगले दिन की तैयारी(समूह चर्चा हेतु विषयवस्तु सम्बन्धी निर्देशन)
	सायं 04:30 बजे से 05:30 बजे तक	• विश्राम
सायंकालीन क्रियाकलाप	सायं 05:30 बजे से 6:00 बजे तक सायं 06:00 बजे से 8:00 बजे तक सायं 08:00 बजे से 8:30 बजे तक सायं 08:30 बजे से प्रातः तक	• चाय • अगले दिन की विषयवस्तु की तैयारी • रात्रि भोजन • स्वाध्याय एवं रात्रि विश्राम

संलग्नक – 02

अवकाश –दिवसों की समय –सारिणी – 02

	समयावधि	क्रियाकलाप
प्रातः कालीन क्रियाकलाप	सुबह 6:00 बजे से पूर्व	नित्य –क्रिया
	सुबह 6:00 बजे से 7:00बजे तक	पी.टी. / योगासन,प्राणायाम, ध्यान आदि
	सुबह 7:00 बजे से 9:30 बजे तक	व्यक्तिगत एवं आसपास की स्वच्छता
	सुबह 9:30 बजे से 10:00 बजे तक	स्वाल्पाहार
मध्यकालीन क्रियाकलाप	सुबह 10.00 बजे से 1:30 बजे तक	गत सप्ताह के कार्यो को पूरा करना
	अपराह्न 1:30 बजे से 2:30 बजे तक	भोजन
	अपराह्न 2:30 बजे से 6:00 बजे तक	व्यक्तिगत –कार्य
सायंकालीन क्रियाकलाप	सायं 6:00 बजे से 8:00 बजे तक	सांस्कृतिक –कार्यक्रम
	सायं 8:00 बजे से 8:30 बजे तक	रात्रि भोजन
	सायं 8:30 बजे से प्रातः तक	स्वाध्याय एवं रात्रि विश्राम